आत्मा हमारे विचारों, भावनाओं और कर्मों का केन्द्र

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

कुम्भ केवल भौतिक आयोजन नहीं! यह आत्मा की गहराई को समझने और शुद्ध करने का अवसर है। यह हमें सिखाता है कि आत्मा की शुद्धि के बिना शांति और आनंद असंभव है।

कुम्भ का आयोजन प्रयागराज में संगम पर होता है। करोड़ों लोग यहां आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक नवीनीकरण की तलाश में आते हैं। यह हमें याद दिलाता है कि हमारा जीवन केवल भौतिकता तक सीमित नहीं है; यह आत्मा की यात्रा का भी प्रतीक है। आध्यात्मिकता का मूल सत्य यह है कि मैं आत्मा हूँ, शरीर नहीं।

आत्मा हमारे विचारों, भावनाओं और कर्मों का केंद्र है। जब हम आत्मा की पहचान में रहते हैं, तो हमारे विचार और कर्म पवित्र होते हैं। और हमारी मूल विशेषताओं जैसे पवित्रता, शांति, प्रेम, सुख, ज्ञान, शक्ति और आनंद को प्रतिबिम्बित करते हैं। लेकिन जब हम शरीर से पहचान जोड़ लेते हैं, तो अंहकार, लोभ, क्रोध और अन्य दुर्गुण जन्म लेते हैं, जो आत्मा को उसके वास्तविक स्वरूप से दूर कर देते हैं। हमारी आत्मा सतयुग में पूरी तरह से शुद्ध थी, लेकिन जन्म-जन्मांतर के चक्र ने हमें कलियुग तक पहुंचा दिया, जहाँ हमारी आध्यात्मिकता कमज़ोर हो गई। अब हमें आत्मा को फिर से शुद्ध करने की ज़रूरत है। शास्त्रों के अनुसार, भगवान विष्णु ने अमृत की कुछ बूंदे चार पवित्र स्थलों पर गिराई थी- नासिक, प्रयागराज, उज्जैन और हरिद्वार। कुम्भ के दौरान लोग इन जगहों पर पवित्र नदियों में स्नान करते हैं, यह मानते हुए कि इससे उनके पाप धुल जाते हैं। इस पवित्र स्नान का उद्देश्य आत्मा की शुद्धि है। आत्मा की सच्ची शुद्धि तभी होती है जब हम परमात्मा से जुड़ते हैं। परमात्मा, जो पवित्रता और शांति का सागर है, हमारी आत्मा को शुद्ध कर सकते हैं। ध्यान और प्रार्थना के माध्यम से हम आत्मा को पुनः पवित्र बना सकते हैं।

कुम्भ मेला हमें सिखाता है कि आत्मा की शुद्धि केवल व्यक्तिगत प्रयास नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास से भी संभव है। लाखों लोग एक उद्देश्य के साथ यहां आते हैं और उनकी सामूहिक ऊर्जा हमें आत्मिक चेतना की ओर प्रेरित करती है।

कुम्भ मेला हमें जीवन के 4 गहरे आध्यात्मिक संदेश प्रदान करता है।

1. **सामूहिक ऊर्जा :** लाखों श्रद्धालु एक समान उद्देश्य के साथ शुद्धता की खोज में इकट्ठा होते हैं। यह सामूहिक ऊर्जा आत्मचेतना को जागृत करती है। राजयोग केन्द्रों पर सामूहिक ध्यान से सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण किया जाता है, जो शुद्धता का वातावरण बनाता है।
2. **आध्यात्मिक चिंतन :** कुम्भ मेले की भक्ति-पूर्ण प्रथाएं आत्मा को आत्मचिंतन और नवीकरण के लिए प्ररित करती हैं। राजयोग ध्यान के माध्यम से भी आत्माएं परमात्मा के दिव्य ज्ञान में डूबती हैं और श्रेष्ठ कर्म का मार्गदर्शन पाती हैं।
3. **एकता का संदेश :** कुम्भ में विविधता के बावजूद सभी तीर्थयात्रियों की समानता हमें सिखाती है कि सभी आत्माएं समान हैं। आत्मचेतना का अभ्यास हमें यह अनुभव कराता है कि हम सभी एक विश्व परिवार के सदस्य हैं।
4. **आध्यात्मिक यात्रा :** कुम्भ मेला हमें याद दिलाता है कि असली तीर्थ यात्रा हमारे अंदर होती है- परमात्मा के स्मरण में।

कोटा कुन्हाड़ी-राज.। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर शिव ध्वजारोहण करने के पश्चात समूह चित्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राजयोगिनी ब्र.कु. उर्मिला दीदी, ब्र.कु. सरस्वती तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

नरवाना-मॉडल टाउन(राज.)। नशामुक्त भारत अभियान सहित अन्य सामाजिक कार्यों द्वारा क्षेत्र के हज़ारों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में बढ़-चढ़ कर भाग लेने के लिए नरवाना प्रशासन द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह में हरियाणा साहित्य अकादमी के उपाध्यक्ष कुलदीप अग्निहोत्री एवं एसडीएम दलजीत सिंह द्वारा नरवाना सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सीमा, ब्र.कु. ममता, ब्र.कु. पूजा को सम्मानित किया गया। साथ हैं ब्र.कु. डॉ. साधुराम शर्मा, ब्र.कु. दलबीर सिंह दलाल, ब्र.कु. सुभाष तथा अन्य।

हाजीपुर-राजपूत कॉलोनी(बिहार)। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में निकाली गई शोभायात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए वार्ड पार्षद अरुण कुमार सिंह। साथ हैं स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अंजलि तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

भादरा-राज.। शिवरात्रि के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. चंद्रकांता बहन, थानाधिकारी भूपसिंह साहरण, नगरपालिका वाइस चेयरमैन बलवंत सैनी, वर्मा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के चेयरमैन बलवान वर्मा, एम.डी. वर्मा हॉस्पिटल के डॉ. कुलदीप सिंधु, एचडीएफसी बैंक भादरा के शाखा प्रबंधक सागरमल शर्मा, व्यापार मण्डल अध्यक्ष चम्पालाल तथा अन्य।

आनन्दपुरी कॉलोनी-हाथरस(उ.प्र.)। विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सरस्वती महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा डॉ. देवप्रकाश के संयोजकत्व में आयोजित शिविर में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा नशामुक्त भारत अभियान कार्यक्रम समापन होने के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शान्ता, ब्र.कु. वन्दना तथा सभी विद्यार्थीगण।

शिवली-उ.प्र.। शिवरात्रि के अवसर पर शोभायात्रा के लिए शिवध्वजा दिखाकर उद्घाटन करने के पश्चात समूह चित्र में नगर अध्यक्ष अवधेश कुमार शुक्ला, कोतवाल हरिमीत सिंह, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. बिमलेश, ब्र.कु. प्रीति, ब्र.कु. प्रेम, ब्र.कु. राम देवी, ब्र.कु. रामबाबू, ब्र.कु. मनोज, ब्र.कु. सोनू तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

बयाना-राज.। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव के अवसर पर शिव भोलेनाथ की प्रतिमा के ऊपर माल्यार्पण करते हुए पूर्व प्रधान महेंद्र सिंह तिवारी, ब्र.कु. साक्षी, ब्र.कु. कमलेश, ब्र.कु. संजीव, ब्र.कु. टीकम तथा अन्य।

बलिया-उ.प्र.। बेल्थरा रोड के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक राकेश श्रीवास्तव को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. उमा बहन। साथ हैं ब्र.कु. सुमन बहन।

FOR ONLINE TRANSFER

Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan,Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319

Note:- AfterTransfer send detail on

E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी,

पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510

संपर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088

Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - ₹-240, तीन वर्ष - ₹- 720, आजीवन - ₹- 6000

Website: www.omshantimedia.org